*धन्यवाद ज्ञापन **

के.सी. चक्रवर्ती

आदरणीय गवर्नर महोदय, माननीय प्रो. अभिजीत बनर्जी, प्रसिद्ध अतिथिगण, रिज़र्व बैंक के मेरे साथियो, देवियो और सज्जनो।

2. सुरेश तेंडुलकर स्मारक प्रथम भाषण के लिए हमारे आमंत्रण को स्वीकार करने के लिए प्रो. अभिजीत बनर्जी को मैं भारतीय रिज़र्व बैंक की ओर से और साथ ही कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, पुणे की ओर से हृदय से धन्यवाद देता हूं।

3. रिज़र्व बैंक में स्मारक भाषणों की श्रृंखला हम सभी के लिए सामयिक महत्त्व के विषयों पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लब्धप्रतिष्ठित शिक्षाशास्त्रियों और नीति निर्माताओं से ज्ञान को साझा करने का मंच रहे हैं। हमारा सौभाग्य है कि 'गरीबों की पहचान करने' के विषय पर व्याख्यान देने के लिए प्रो. बनर्जी हमारे साथ हैं। विकास अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले स्वर्गीय प्रो. सुरेश तेंडुलकर को श्रद्धांजली के संदर्भ में यह विषय निश्चित रूप से उपयुक्त है।

4. प्रो. बनर्जी ने अपने भाषण में बहुत स्पष्ट रूप से और प्रबोधक ढंग से गरीबों की पहचान किए जाने की जरूरत पर बल दिया है। उनकी बातों से उनके विचारों की स्पष्टता का पता चलता है जिसके कारण वे जटिल प्रमाणों के बाद भी वे प्राथमिकता के विषयों को पहचानने, शीघ्रता से उनका मूल्यांकन करने, उचित सलाह के अनुसार कार्य करने और पक्के निष्कर्ष निकालने के संबंध में अपनी बात रख पाते हैं। इससे प्रो. बनर्जी के संबंधित विषय पर ठोस शोध कार्य का भी पता चलता है।

5. ये विषय रिज़र्व बैंक जैसे सरकारी नीति बनाने वाले संस्थानों के लिए बहुत उपयुक्त हैं। उन विषयों पर आज अपने भाषण के माध्यम से हमें प्रभावी ढंग से जागरुक करने के लिए हम प्रो. बनर्जी के कृतज्ञ हैं। गरीबी जैसे मूलभूत और तात्कालिक महत्त्व के विषय पर काम करते हुए यह जरूरी हो जाता है कि हम उस पर ध्यान केंद्रित करें और अपने विचारों और वितरण प्रणाली में भी परिवर्तन करें।

6. इस कार्यक्रम में शामिल होकर इसकी महत्ता बढ़ाने के लिए हम श्रीमती तेंडुलकर और स्वर्गीय प्रो. तेंडुलकर के अन्य पारिवारिक सदस्यों के प्रति भी कृतज्ञ हैं।

7. इस कार्यक्रम को सफलता पूर्वक आयोजित करने का श्रेय हमारे माननीय गवर्नर, डॉ. डी. सुब्बाराव के मार्गदर्शन और उनकी रुचि को जाता है। इस हेतु मैं उनके प्रति धन्यवाद ज्ञापित करता हूं।

8. मैं इस भाषण में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए सभी प्रसिद्ध आमंत्रित लोगों को भी धन्यवाद देता हूं। मैं मानव संसाधन प्रबंध विभाग, केंद्रीय कार्यालय और कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, पुणे के मेरे साथियों को भी इस कार्यक्रम को सफलता पूर्वक आयोजित करने के लिए धन्यवाद देता हूं।

9. इस कार्यक्रम में सहयोग देने वाले सभी सेवा प्रदाताओं को भी मैं धन्यवाद धन्यवाद ज्ञापित करता हूं। हमारी बढ़िया खातिरदारी के लिए मैं इस महाविद्यालय के संपर्क अधिकारियों को भी धन्यवाद देता हूं।

एक बार फिर से आप सभी को बहुत-बहुत धन्यवाद।

---

* 19 जनवरी 2013 को कृषि बैंकिंग महाविद्यालय, पुणे में आयोजित किए गए पहले प्रो. तेंडुलकर स्मारक भाषण में भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर डॉ. के.सी. चक्रवर्ती द्वारा धन्यवाद ज्ञापन।